

स्वच्छता सर्वे 2023 के तहत ब्रांडिंग में प्लास्टिक का बैनर-पोस्टर लगाने पर कटेंगे 25 अंक

चर्चा में क्यों?

19 दिसंबर, 2022 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में बेहतर रैंकिंग पाने के लिये बिहार के सभी नगर निकायों को डिजिटल तरीके से ज्यादा प्रचार-प्रसार करने होंगे क्योंकि स्वच्छ भारत मिशन 2.0 और स्वच्छ सर्वेक्षण में अगर किसी भी स्थिति में ब्रांडिंग के लिये फ्लैक्स, पॉलथिनि या प्लास्टिक का उपयोग किया जाएगा तो सीधे 25 अंकों की कटौती हो जाएगी।

प्रमुख बद्दि

- जानकारी के अनुसार, प्लास्टिक वाला फ्लैक्स व बैनर लगाने पर रैंकिंग बगिड़ जाएगी। इसके लिये मंत्रालय ने राज्य के सभी नगर निकायों को दशा-नरिदेश जारी कर दिया है।
- इसके बाद स्थानीय स्तर पर, मुजफ्फरपुर नगर नगिम ने बैनर व फ्लैक्स की बजाय शहर में जगह-जगह स्मार्ट सटी से लगे एलईडी स्क्रीन के माध्यम से स्वच्छता को लेकर लोगों को जागरूक करते हुए संदेश देना शुरू कर दिया है। इसकी कार्य योजना तैयार कर सर्वेक्षण को केंद्र सरकार की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।
- इस बार पूरे प्रतियोगिता के दौरान कलाकृतियाँ एवं स्लोगन (आर्ट वर्क) पर सबसे ज्यादा फोकस रहेगा। थीम के अनुरूप ही इस बार 48 प्रतशित यानी 4525 अंक अकेले सर्वसि लेवल प्रोग्राम यानी कूड़े को लेकर सेग्रीगेशन, प्रोसेसिंग व डिसिपोजल पर आधारित रहेंगे। 27 प्रतशित यानी 2500 अंक सर्टिफिकेशन के होंगे और 25 प्रतशित यानी 2475 अंक सटीजन वॉइस के होंगे।
- वार्डों को ऐसे मल्लिंके अंक -
 - वार्डों में 95 प्रतशित से अधिक व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर 25 अंक।
 - वार्डों में 75 से 90 प्रतशित तक प्रचार-प्रसार करने पर 20 अंक।
 - वार्डों में 50 से 74 प्रतशित तक प्रचार-प्रसार करने पर 15 अंक।
 - वार्डों में 50 प्रतशित से कम प्रचार-प्रसार करने पर 10 अंक।